# अर्थशास्त्र

| | | | |
|---|---|---|---|
| **प्रथम भाग : प्रारंभिक व्यष्टि अर्थशास्त्र** | | | |
| 1 | **व्यष्टि अर्थशास्त्र का परिचय** | हां | |
| 2 | **उपभोक्ता का व्यवहार एवं मांग** | हां | मांग वक्र में गति एवं माप वक्र में परिवर्तन |
| 3 | **उत्पादक का व्यवहार एवं पूर्ति** | हां | पूर्ति वक्र में गति एवं पूर्ति वक्र में परिवर्तन<br>पूर्ति की कीमत लोच की माप - प्रतिशत एवं ज्यामिति विधि |
| 4 | **बाजार के प्रकार एवं कीमत निर्धारण** | हां | एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता का अर्थ एवं विशेषताएं |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | मांग एवं पूर्ति वक्रों में परिवर्तन का प्रभाव |
| **द्वितीय भाग : प्रारंभिक समष्टि अर्थशास्त्र** | | | |
| 5 | **राष्ट्रीय आय एवं संबंधित समुच्चय - मूल धारणाएं एवं माप** | हां | शुद्ध घरेलू उत्पादन (NDP) एवं शुद्ध राष्ट्रीय उत्पादन (NNP) की धारणा (बाजार मूल्य एवं साधन मूल्य पर) राष्ट्रीय निर्वत्य आय (कुल एवं शुद्ध), निजी आय, व्यक्तिगत आय, व्यक्तिगत निर्वत्य आय राष्ट्रीय आय की गणना - व्यय विधि |
| 6 | **मुद्रा एवं बैंकिंग** | हां | भारत में बैंकिंग प्रणाली में हाल के सुधार एवं मुद्दे - निजीकरण एवं आधुनिकीकरण |
| 7 | **आय एवं रोजगार का निर्धारण** | हां | कुल पूर्ति एवं उसके कारक स्वैच्छिक बेरोजगारी एवं पूर्ण रोजगार का अर्थ आय एवं रोजगार का निर्धारण - द्वी क्षेत्रीय मॉडल बहुल एवं अपर्याप्त मांग की समस्याएं, बहुल एवं अपर्याप्त मांग के निराकरण के उपाय - साख की उपलब्धता सरकारी व्यय में परिवर्तन |
| 8 | **सरकारी बजट और अर्थव्यवस्था** | हां | राजस्व घाटा, राजकोषीय घाटा एवं प्राथमिक घाटा - अर्थ एवं निहितार्थ विभिन्न प्रकार के घाटों की गणना, सरकार की भूमिका को घटाना - अर्थ एवं निहितार्थ |
| 9 | **भुगतान संतुलन** | हां | विदेशी विनिमय दर - अर्थ (स्थिर एवं लोचशील), गुण एवं दोष, मांग एवं पूर्ति द्वारा निर्धारण मुक्त बाजार में विनिमय दर का निर्धारण |